कार्ल मार्क्स: द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद

(Karl Marx: Dialectical Materialism)

डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय

सहायक प्रोफेसर

समाजशास्त्र विभाग

जे. एस. हिन्दू (पी. जी.) कॉलेज, अमरोहा

कार्ल मार्क्स (1818–1883): व्यक्तित्व एवं कृतित्व

- **जन्म:** 05 मार्च, 1818 ट्रीयर, जर्मनी
- यहूदी परिवार में जन्म
- अभावग्रस्तता का जीवन
- क्रांतिकारी लेखन के कारण खानाबदोशी का जीवन
- जर्मनी के बौद्धिक व राजनीतिक केंद्र बर्लिन विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा ग्रहण

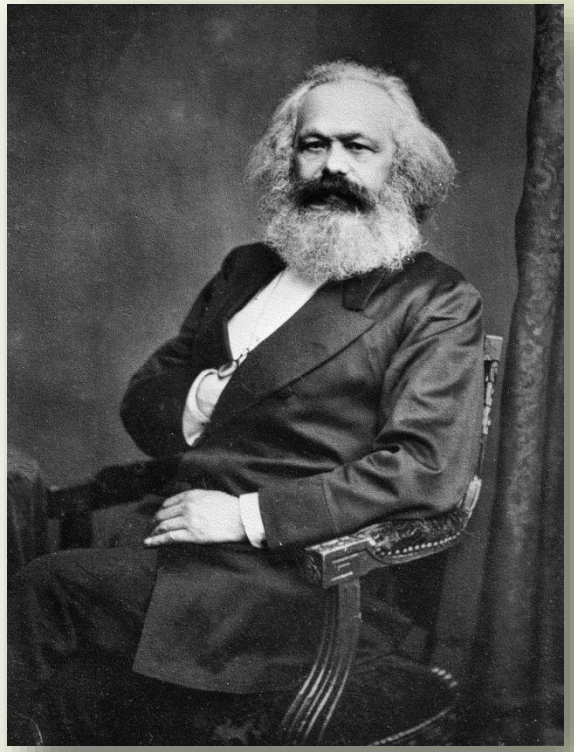

प्रमुख कृतियाँ

- The Holy Family (with F. Engels), 1845
- The German Ideology (with F. Engels), 1845
- The Poverty of Philosophy, 1847
- Communist Manifesto (with F. Engels), 1848
- The Class Struggle in France, 1850
- A Contribution to the Critique of Political Economy, 1859
- Das Capital, 1867: 3 Vol.

कार्ल मार्क्स: बौद्धिक परिवेश

- जॉर्ज डबल्यू. एफ़. हीगल, एडम स्मिथ, चार्ल्स डार्विन, फायरबाख से प्रभावित
- प्रमुखतः तीन घटनाओं का बौद्धिक प्रभाव: फ्रांसीसी समाजवाद, जर्मन दर्शनशास्त्र तथा ब्रिटिश राजनीतिक अर्थव्यवस्था
- लौकिक मानवतावादी तथा धर्मनिरपेक्ष नीतिज्ञ
- मार्क्स के आदर्शवादी विचारों ने कई दशकों के विचारकों को प्रभावित किया।
- ऐसा कहा जाता है कि मार्क्स स्वयं समाजशास्त्री नहीं थे, किन्तु उनके विचारों में अवश्य समाजशास्त्र निहित है।

मार्क्स का वैचारिक परिप्रेक्ष्य

- मानव एक तार्किक प्राणी है तथा समस्त कार्यों की पूर्णता हेतु स्वतंत्रता अत्यंत आवश्यक है।
- मार्क्स ने स्वप्नदर्शी समाजवाद का खंडन करते हुए वैज्ञानिक समाजवाद की नींव रखी। ('इतिहास के दर्शन' के आधार पर समाजवाद की व्याख्या)
- सर्वहारा समाजवाद का सिद्धांत दिया, जिसमें समकालीन समाजवादी दरिद्रता तथा अन्याय से शोषित समाज के पुनर्निर्माण की योजना प्रस्तुत की।

कार्ल मार्क्स का सैद्धांतिक परिचय

- तात्कालिक समय के सामाजिक पर्यावरण से चिंतित/ दुखी
- श्रमिक/ मजदूर वर्ग को पूँजीपतियों के विरुद्ध संघर्ष का मार्ग दिखाकर एक व्यवहारिक योजना प्रस्तावित की।
- 19वीं शताब्दी के यूरोप में पूंजीवाद से संबंधित उदारवादी चिंतन को चुनौती देकर नवीन सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक विचारों को बढ़ावा दिया तथा संघर्षवादी/ मार्क्सवादी चिंतन की परंपरा आरंभ किया।
- आर्थिक संरचना ही अन्य सभी संरचनाओं को निर्धारित करती है, यही मार्क्स का भौतिकवाद है।
- मार्क्स ने एक ऐसे राजनीतिक समुदाय की कल्पना की, जिसमें राज्य का कोई अस्तित्व न हो, कोई वर्ग न हो; एक ऐसा समाज जो समतावादी हो।

कार्ल मार्क्स की केंद्रीय वैचारिकी

- मार्क्स के शब्दों में, *'अब तक के मानव समाज का इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास रहा है।'*
- **वर्ग:** व्यक्तियों का समूह, जो उत्पादन की विधियों व शक्तियों के संदर्भ में समान प्रस्थिति साझा करते हैं।
- **उत्पादन की शक्ति** (Forces of Production)**:** कच्चा माल, तकनीकी, मशीन, उद्योग तथा भूमि, जो कि वस्तुओं के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **उत्पादन के संबंध** (Production Relation)**:** व्यक्ति से व्यक्ति (श्रमिक तथा पूंजीपति) का संबंध, जो कि उत्पादन प्रक्रिया में शामिल रहते हैं।
- **उत्पादन की विधि** (Mode of Production)**:** उत्पादन की शक्ति तथा उत्पादन के संबंध

द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद

- *The German Ideology* (with F. Engels), 1845
- हीगल के 'द्वन्द्वात्मक आदर्शवाद' के स्थान पर 'द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद' की अवधारणा
- मार्क्स लिखते हैं, *'हीगल सर के बल खड़ा हुआ था, मैंने उसे पैरों के बल खड़ा कर दिया।'*
- मार्क्स के अनुसार प्रत्येक प्रणाली स्वयं अपने आंतरिक विरोधों को जन्म देती है, जिसके परिणामस्वरूप स्वतः ही प्रणाली में तनाव व खिंचाव उत्पन्न हो जाता है तथा इसका निराकरण अंततः परिवर्तन (सामाजिक परिवर्तन) द्वारा फलीभूत होता है। इन विरोधों से ही वर्ग संघर्ष का जन्म होता है।
- द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद दुनिया को देखने–समझने का एक नया दृष्टिकोण/नजरिया है। फ्रेडरिक एंजिल्स ने इसे ही **'साम्यवादी नजरिया'** कहते हैं।
- मार्क्स का मत है कि प्रकृति में भी द्वंद्वात्मकता का नियम काम करता है, वे इसे **'प्रकृति का द्वंद्व'** कहते हैं। प्रकृति में द्वन्द्वात्मक नियम जिस प्रकार से कार्य करते हैं, ठीक वैसे ही द्वंद्व इतिहास में भी विद्यमान होते हैं।

द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद

- प्रत्येक वस्तु की व्याख्या पदार्थ के विरोधाभास के संदर्भ में
- वैज्ञानिक आधार पर द्वंद्व की व्याख्या
- यह द्वंद्व प्रकृति, समाज तथा विचारधारा सभी में समान रूप से देखने को मिलता है।
- द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद चार मूलभूत नियमों पर आधारित है–
  - विपरीत की एकता तथा संघर्ष का नियम
  - मात्रात्मक से गुणात्मक परिवर्तनों में परिवर्तन का नियम
  - निषेध के निषेध का नियम
  - गतिशीलता का नियम

द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद

किसी भी वस्तु अथवा संदर्भ का **प्रारंभिक प्रस्ताव**

प्रारंभिक प्रस्ताव का विरोध

दो संघर्षात्मक/ विरोधी विचारों के मेल से उभरा **नया प्रस्ताव**

कार्ल मार्क्स के शब्दों में, *'प्रत्येक आर्थिक व्यवस्था में उसके विनाश के तत्व छिपे होते हैं।'*

Next Class:

कार्ल मार्क्स: ऐतिहासिक भौतिकवाद तथा उत्पादन प्रणाली

(Karl Marx: Historical Materialism & Mode of Production)